Vol 6 Issue 7 April 2017

ISSN No : 2249-894X

Monthly Multidisciplinary Research Journal

Review Of Research Journal

Chief Editors

Ashok Yakkaldevi
A R Burla College, India

Ecaterina Patrascu
Spiru Haret University, Bucharest

Kamani Perera
Regional Centre For Strategic Studies,
Sri Lanka

Welcome to Review Of Research

RNI MAHMUL/2011/38595 **ISSN No.2249-894X**

Review Of Research Journal is a multidisciplinary research journal, published monthly in English, Hindi & Marathi Language. All research papers submitted to the journal will be double - blind peer reviewed referred by members of the editorial Board readers will include investigator in universities, research institutes government and industry with research interest in the general subjects.

Regional Editor

Dr. T. Manichander

Advisory Board

Kamani Perera
Regional Centre For Strategic Studies, Sri Lanka

Ecaterina Patrascu
Spiru Haret University, Bucharest

Fabricio Moraes de AlmeidaFederal University of Rondonia, Brazil

Anna Maria Constantinovici
AL. I. Cuza University, Romania

Romona Mihaila
Spiru Haret University, Romania

Delia Serbescu
Spiru Haret University, Bucharest, Romania

Xiaohua Yang
University of San Francisco, San Francisco

Karina Xavier
Massachusetts Institute of Technology (MIT), USA

May Hongmei Gao
Kennesaw State University, USA

Marc Fetscherin
Rollins College, USA

Liu Chen
Beijing Foreign Studies University, China

Mabel Miao
Center for China and Globalization, China

Ruth Wolf
University Walla, Israel

Jie Hao
University of Sydney, Australia

Pei-Shan Kao Andrea
University of Essex, United Kingdom

Loredana Bosca
Spiru Haret University, Romania

Ilie Pintea
Spiru Haret University, Romania

Mahdi Moharrampour
Islamic Azad University buinzahra Branch, Qazvin, Iran

Titus Pop
PhD, Partium Christian University, Oradea,
Romania

J. K. VIJAYAKUMAR
King Abdullah University of Science & Technology,Saudi Arabia.

George - Calin SERITAN
Postdoctoral Researcher
Faculty of Philosophy and Socio-Political Sciences
Al. I. Cuza University, Iasi

REZA KAFIPOUR
Shiraz University of Medical Sciences
Shiraz, Iran

Rajendra Shendge
Director, B.C.U.D. Solapur University, Solapur

Awadhesh Kumar Shirotriya

Nimita Khanna
Director, Isara Institute of Management, New Delhi

Salve R. N.
Department of Sociology, Shivaji University, Kolhapur

P. Malyadri
Government Degree College, Tandur, A.P.

S. D. Sindkhedkar
PSGVP Mandal's Arts, Science and Commerce College, Shahada [M.S.]

Anurag Misra
DBS College, Kanpur

C. D. Balaji
Panimalar Engineering College, Chennai

Bhavana vivek patole
PhD, Elphinstone college mumbai-32

Awadhesh Kumar Shirotriya
Secretary, Play India Play (Trust),Meerut (U.P.)

Govind P. Shinde
Bharati Vidyapeeth School of Distance Education Center, Navi Mumbai

Sonal Singh
Vikram University, Ujjain

Jayashree Patil-Dake
MBA Department of Badruka College Commerce and Arts Post Graduate Centre (BCCAPGC),Kachiguda, Hyderabad

Maj. Dr. S. Bakhtiar Choudhary
Director,Hyderabad AP India.

AR. SARAVANAKUMARALAGAPPA UNIVERSITY, KARAIKUDI,TN

V.MAHALAKSHMI
Dean, Panimalar Engineering College

S.KANNAN
Ph.D , Annamalai University

Kanwar Dinesh Singh
Dept.English, Government Postgraduate College , solan

More.........

Address:-Ashok Yakkaldevi 258/34, Raviwar Peth, Solapur - 413 005 Maharashtra, India
Cell : 9595 359 435, Ph No: 02172372010 Email: ayisrj@yahoo.in Website: www.oldror.lbp.world

ISSN: 2249-894X IMPACT FACTOR : 3.8014(UIF) VOLUME - 6 | ISSUE - 7 | APRIL - 2017

REVIEW OF RESEARCH

रामविलास शर्मा की कविताओं का उदान्त स्वरूप

डॉ. मनोज आर. पटेल
आचार्य एवं अध्यक्ष (हिन्दी विभाग) सी.बी. पटेल आर्ट्स कालेज नडियाद , गुजरात.

प्रस्तावना :

रामविलास शर्मा के आलोचक रूप की चर्चा इतनी अधिक होती है कि उनके उस भारी–भरकम आलोचक के आगे उनकी कविताएं या कविरूप उपेक्षित सा छूट जाता है, जबकि रामविलास जी की कविताएँ एकदम अलग अंदाज की कविताएं हैं जो अपनी ग्राम्य सादगी और चुटीले तेवर के कारण ध्यान खीचती हैं। रामविलास जी ने स्वयं माना है कि बैसवाड़ा का सुन्दर प्राकृतिक परिवेश उनकी काव्य–रचना का प्रमुख प्रेरणा स्रोत था और जब वे उससे दूर (दिल्ली) चले आये तो मानो वह प्रेरणा ही सूख गई।

अपने पहले कविता–संग्रह 'रूपतरंग' की भूमिका में रामविलास ने किशोरावस्था के उस अनुभव का जिक्र किया है, जब कविता के आनंद को उन्होने भीतर तक महसूस किया था। पहली बार उन्हें लगा था कि कविता कितनी सुंदर और मोहक हो सकती है और मन–प्राणों को आन्दोलित कर सकती हैं। उनके इस कविता–संग्रह में ठेठ ग्रामत्व हैं और एक खाटी हिन्दुस्तानी की गहन अनुभूति, राम–विराग, सच्चा क्रोध और बेबाक बयानी ग्राम्य सादगी के साथ–साथ देश की आज़ादी की लड़ाई के बड़े ही तीखे और असरदार अक्स हैं जिनसे उस समय का पूरा चित्र आंखों के आगे उभर आता हैं, देश के वंचित वर्गो, मजदूरों–किसानों के कठिन जीवन का स्पष्ट रुप दिखाई पड़ता हैं।

सुधा, माधुरी, हंस, रूपाभ, सरस्वती में रामविलास शर्मा की कविताएं निरंतर छपती थी और उन्हें काफी पसन्द किया जाता था। बाद में उन्होने 'अगिया बैताल' और 'निरंजन' छद्म नामों से समकालीन राजनैतिक और सामाजिक संदर्भो पर ऐसी जोरदार और तीखा कटाक्ष करती हुई कविताएं लिखी, जिनकी पहुँच पढ़े–लिखे बुद्धिजीवी ही नहीं, गांव–कस्बे के मामूली लोगों तक भी पहुँची। उनकी इस दौर की कविताओं का संकलन 'सदियों के सोए जाग उठे' शीर्षक से छपा है।

रामविलास शर्मा 'तारसप्तक' के कवि है और उन्होने लिखा कि ''अगर गांव की प्रकृति परिवेश में काम करने का अवसर मिले, तो मैं दुगुना काम कर सकता हूँ।'' ऐसे में रामविलास को अपना गांव अत्यन्त प्रिय था। बरसों बाद जब वे दिल्ली से अपना गांव देखने आये तो उसका सारा विवरण अपनी डायरी में लिखा। गांव से इस गहरे लगवा के कारण ही वे शहर में रहकर भी कभी पूरी तरह शहरी न हुए। रामविलास शर्मा की कविताएं गांव के सीधे–सरल लोगों और गरीब मेहनतकश लोगों के दर्द से युक्त कविताएं है। उनकी बहुत सादे लहजे में लिखी गई 'कार्यक्षेत्र' कविता बहुत प्रसिद्ध हैं जिसमें बड़ी आत्मिक दृढ़ता और सच्चाई है। इसमें एक किसान का चित्र है। किसान जो धरती का बेटा है। उसकी एक ही जाति, एक ही धर्म है कि वह धूल से भरा इस धरती का बेटा है जिसकी मेहनत से धरती पर जीवन लहलहाता है–

धरती के पुत्र की/होगी कौन जाति, कौन मत, कहो कौन धर्म
धूलिभरा धरती का पुत्र है/जोतता है बोता जो किसान इस धरती को
मिट्टी का पुतला है/मिट्टी के चिर संसर्ग में....... एकरस मटीलेपन में
छिपी है विभिन्नत, विचिलता, विषमता विश्व की।

उन्होने अपनी 'कतकी' नामक कविता में भी किसानी जीवन को चित्रित किया है, जिसमें एक सहज आत्मीयता भी है जिसमें पुरा गांव उस आत्मीयता से आबद्ध हैं, सदियों के दिन। आकाश में चांदनी बिखरी हुई हैं। धरती पर भी उसकी प्रशांत शीतलता महसूस होती हैं। यहां तक कि बैल भी उस पारिवारिकता की सहज ऊष्मा को महसूस करते हैं और उसी से बंधे चलते जा रहे हैं–

तने हुए तंबू भीतर पैरा छिा/सुखी बाल–बच्चे हैं बेटे ऊघते,
गरम रज़ाई में निश्चित किसान भी/बैठा बैलों की पगाही ढीली किए
घुंघरू की मीठी ध्वनि करते जा रहे। फटी–पुरानी झूल ओटे बैल वे।

गांव के परिवेश पर ही रामविलास जी ने 'शारदीया' कविता लिखी है। इसमें गांव में सर्दी के दिनों का वर्णन है। ज्वार की फसल हुई तो किसान की लड़की हाथ में गुफना लिए चिड़ियों को उड़ा रही है, ताकि वे दाना न खा जाएं। कविता में प्रकृति का बड़ा सुन्दर दृश्यांकन है–

सोना ही सोना छाया आकाश मे। पश्चिम में सोने का सूरज डूबता,
पका रंग कंचन जैसे छाया हुआ। भरे ज्वार के भट्टे पककर झुक गये।

रामविलास शर्मा ने अपनी आत्मकथा 'अपनी धरती अपने लोग' में अपनी कविताओ की पृष्ठभूमि और उन भावनात्मक दबावों के बारे में लिखा है, जो उन्हे कविता लिखने के लिए प्रेरित करते हैं। उनकी कई कविताएं ग्रामीण परिवेश और गांव के लोगों के दु:ख दर्द को लेकर लिखी गई है। 'दिवास्वप्न' नामक कविता में एक ओर गांव की रम्य प्रकृति है तो दूसरी ओर रामविलास शर्मा जी की उस समय की उदास मनः स्थिति असल में उनके गांव में खजुरिहा तालाब था। वहां आस–पास झाड़िया थीं और दूर तक पेड़ों की कतार जिसमें सन्नाटा रहता था। मधुमक्खियों की झन–झन और झींगुरों की झंकार सुनाई देती थी। यही दृश्य मानो उनकी कविता 'दिवास्वप्न' में जैसे उतर आया हैं। कविता की कुछ शुरूआती पंक्तियाँ है–

वर्षा से धुलकर निखर उठा नीला–नीला
फिर हरे भरे खेतों पर छाया आसमान,
उजरी कुआरकी धूप अकेली पड़ी घर मे
लौटे इस बेला सब अपने घर किसान।

ग्राम्य परिवेश को लेकर लिखी गई रामविलस शर्मा की 'सिलहार' और 'ऋतुसंहार' कविताओं में गांव के विडंबनाओं के चित्र है। 'सिलहार' कविता में गरीबी की विवशता का चित्रण है। इन्होने देखा कि जब खेतो से अनाज खलिहान में आता है तो बाद में गरीब लोग खेतों में बिखरे अन्न के कण यानी सीला चुनते हैं। 'सिलहार' में अभावों का यही दुख, यही करूणा मार्मिक ढंग से उभरी है, और वही 'ऋतुसंहार' कविता में गांव के एक दुखद घटना से जुड़ी है। गांव में भीषण आग की घटना, पूरे गांव को अपनी लपटों के आगोश में आबद्ध किए हुए, चारो तरफ हाहाकर मचा हुआ है। लोग आपस का भेदभाव भूलकर जो बन पड़ रहा है वो आग को बुझाने का काम कर रहे हैं। फिर भी आधा गांव, खेतो की फसल सब जलकर राख हो गई, 'ऋतुसंहार' काव्य के रामविलास जी ने यथार्थ की कसौटी पर अपने आप को रखकर लिख है। इसी प्रकार ग्रामीण दासता के चंगुल में फसी हुई स्त्री की जीवन दशा को लेकर 'यज्ञ–प्रतिमा' नामक काव्य लिखा इसमें निरनतर बटोही की बात जोहती स्त्री का भावपूर्ण चित्रण है। 'वंदिनी कोकिला' नामक काव्य में ली एक स्त्री की विवशता का चित्रण है। जो प्रेम तो किसी से करती है परन्तु विवाह दूसरे से होता है परन्तु वह अपने प्रेम को भूली नही है और वह अपने प्रेमी से मिलने पर जता भी देती है।

कैमासन, कलकत्ता समुद्र के किनारे और केरल एक दृश्य सरीखी कविताओं में रामविलास जी के निजी जीवन और यात्राओं से जुड़ी यादो का चित्रण है 'हड्डियों का ताप' एक उदास कविता है जिसके साथ राम विलास जी की आत्मकथा एक दुखद पन्ना भी जुड़ा हुआ है। बुखार से पीड़ित, व्यथित मनोदशा, देश के लिए कुछ करने का जज्बा आदि को अपने अन्तर्मन में लिये हुए 'हड्डियों का ताप' कविता लिखी जिसमें देश की परतंत्रता की गहरी पीड़ा भी है। परन्तु कविता का अंत एक आशा भरे संदेह के साथ होता है–

जन्म होगा हड्डियों के ढांचों से। रक्ताम मांसल शरीर का
हड्डियों में बसे हुए ताप से। चिरंतन आत्मा का
जन्म होगा नरकंकालों से। सबल स्वतंत्र नवयुवकों की सेना को

सन्दर्भ ग्रन्थ सूची

- हिन्दी साहित्य का इतिहास – आचार्य शुक्ल
- आधुनिक हिन्दी साहित्य का इतिहास – रामचंद्र तिवारी
- हिन्दी साहित्य का इतिहास – डॉ नगेन्द्र

डॉ. मनोज आर. पटेल
आचार्य एवं अध्यक्ष (हिन्दी विभाग) सी.बी. पटेल आर्ट्स कालेज नडियाद , गुजरात.

Publish Research Article
International Level Multidisciplinary Research Journal
For All Subjects

Dear Sir/Mam,

We invite unpublished Research Paper,Summary of Research Project,Theses,Books and Books Review for publication,you will be pleased to know that our journals are

Associated and Indexed,India

- Directory Of Research Journal Indexing
- International Scientific Journal Consortium Scientific
- OPEN J-GATE

Associated and Indexed,USA

- DOAJ
- EBSCO
- Crossref DOI
- Index Copernicus
- Publication Index
- Academic Journal Database
- Contemporary Research Index
- Academic Paper Databse
- Digital Journals Database
- Current Index to Scholarly Journals
- Elite Scientific Journal Archive
- Directory Of Academic Resources
- Scholar Journal Index
- Recent Science Index
- Scientific Resources Database

Review Of Research Journal
258/34 Raviwar Peth Solapur-
413005,Maharashtra
Contact-9595359435
E-Mail-ayisrj@yahoo.in/ayisrj2011@gmail.com